

मेट्रो-नथिो परयिोजना

प्रलिमिंस के लयि:

मेट्रो-नथिो परयिोजना

मेन्स के लयि:

मेट्रो-नथिो परयिोजना

चर्चा में क्योँ?

केंद्र सरकार टयिर-2 और टयिर-3 नगरों हेतु कम लागत वाली रेल पारगमन प्रणाली 'मेट्रो-नथिो परयिोजना' के मानक वनिरिदेशों को मंजूरी देने की योजना बना रही है।

प्रमुख बडि:

- मेट्रो-नथिो ससि्टम, परविहन की एक अद्वितीय अवधारणा है जसि भारत में पहली बार अपनाया जा रहा है।
- यह एक कुशल 'मास पब्लिक ट्रांसपोर्टेशन ससि्टम' (MRTS) है, जो भारत के टयिर- 2 और टयिर 3 नगरों के साथ-साथ उपनगरीय यातायात की जरूरत को पूरा करने के लयि आदर्श रूप से उपयुक्त है।
- यह अत्याधुनकि, आरामदायक, ऊर्जा कुशल, न्यूनतम ध्वनि प्रदूषण और पर्यावरण के अनुकूल मेट्रो प्रणाली है। परंपरागत मेट्रो की तुलना में यह काफी हलकी तथा छोटी होगी। इसकी लागत परंपरागत परविहन प्रणाली का लगभग 25% है।
- मेट्रो-नथिो रेल ट्रैक के स्थान पर सड़क पर चलेगी परंतु ऊर्जा ओवरहेड वायरस से प्राप्त करेगी। इसे इस प्रकार डिज़ाइन कयिा गया है कयिह तीव्र ढाल में भी आसानी से चलाई जा सकती है। भविष्य में ट्रैफिक डमांड के अनुसार ससि्टम को इंक्रीमेंटल कॉस्ट इनपुट के साथ 'लाइट मेट्रो' में अपग्रेड कयिा जा सकता है।

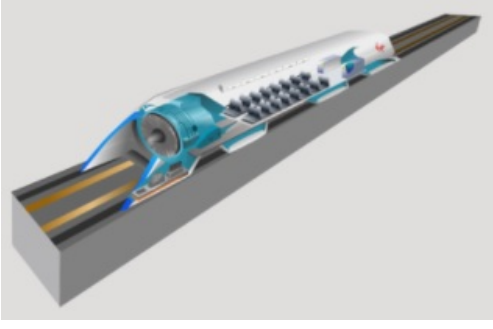


भारत में मेट्रो-नथिो के प्रोजेक्ट:

- महाराष्ट्र के नासकि और तेलंगाना के वारंगल जिलों के लयि मेट्रो-नथिो प्रणाली पर योजना बनाई जा रही है। वारंगल के लयि योजना अभी तक पूरी तरह तैयार नहीं है, जबकि महाराष्ट्र सरकार द्वारा नासकि के लयि 30 स्टेशनों के साथ 33 किलोमीटर की लंबाई के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी जा चुकी है।

नगरीय गतशीलता के अन्य नए साधन/मोड:

हाइपरलूप परविहन प्रणाली:



- यह एक ऐसी परविहन प्रणाली है जहाँ एक पॉड जैसे वाहन को वमिान की गति से शहरों को जोड़ने वाली एक वैक्यूम ट्यूब के माध्यम से चलाया जाता है। इस तकनीक को हाइपरलूप इसलिये कहा गया क्योंकि इसमें परविहन एक लूप के माध्यम से किया जाता है।
- परविहन के कषेत्र में क्रांति लाने वाले हाइपरलूप का कॉन्सेप्ट 'एलन मस्क' ने दिया और इसे 'परविहन का पाँचवाँ मोड' भी बताया।
- इसके अंतर्गत हाइपरलूप वाहन में यात्रियों के पॉड्स को एक कम दबाव वाली ट्यूब के अंदर उत्तरोत्तर वदियुत प्रणोदन (Electric Propulsion) के माध्यम से उच्च गति प्रदान की जाती है।

पोड टैक्सी:

- पॉड टैक्सी सेवा एक आधुनिक और उन्नत सार्वजनिक परविहन प्रणाली है। इसे 'परसनल रैपिड ट्रांज़िटि' (PRT) भी कहा जाता है।
- इसमें सामान्य टैक्सी सेवाओं की तरह ही यात्रियों के छोटे समूहों को मांग आधारित फीडर एवं शटल सेवाएँ प्रदान कराई जाती हैं, कति इसमें स्वचालित इलेक्ट्रिक पॉड का इस्तेमाल किया जाता है। यह परविहन का एक स्वच्छ एवं हरति विकल्प है।
- यह चालक रहति वाहन है, जिसमें दो से लेकर छह लोग तक सफर कर सकते हैं। यह पूर्व निर्धारित मार्ग पर 80-130 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से चल सकती है।



मेट्रो ट्रेन:

- वर्तमान में वकिसति की जा रही मेट्रो रेल प्रणाली उच्च क्षमता की है जो बड़े नगरों की 'पीक आवर पीक डायरेक्शन ट्रैफिकि' (PHPDT) की मांग के अनुकूल है।

मेट्रोलाइट (Metrolite):

- देश में मेट्रो रेल की सफलता को देखते हुए कई अन्य शहरों में भी रेल आधारित मास रैपिड ट्रांज़िटि सिस्टम के लिये 'लाइट अर्बन रेल ट्रांज़िटि सिस्टम' पर कार्य किया जा रहा है जसि 'मेट्रोलाइट' नाम से जाना जाता है।

आगे की राह:

- नगर आर्थिक वकिस के इंजन हैं। हमें सतत् वकिस लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये वाहनों की आवाजाही के बजाय लोगों की आवाजाही सुनिश्चित करने पर ध्यान देने की आवश्यकता है। अतः मेट्रो-नयि के समान ईंधन कुशल 'मास रैपिड ट्रांज़िटि सिस्टम' की आवश्यकता है।
- महिलाओं, बच्चों तथा वृद्धजनों तक गतिशील सेवाओं की सार्वजनिक और सुरक्षित पहुँच सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक वैधानिक प्रावधान किये जाने की आवश्यकता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

